महत्वपूर्ण एवं खास

शुक्रवार को जशपुर पहुंचेंगे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा 15 सितंबर शुक्रवार को एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ के जशपुर में रहेंगे जहाँ वे राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ करेंगे। नड्डा शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:40 बजे पुलिस ग्राउंड हैलीपेड, जशपुर छग पहुंचेंगे जहाँ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे दोपहर 12:20 बजे जशपुर के प्रसिद्ध श्रीबालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। उसके बाद नड्डा दोपहर 01:10 बजे जशपुर के प्रसिद्ध रंजीता स्टेडियम ग्राउंड से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ करेंगे। वे इस अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और परिवर्तन रथों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

कार्य में लापरवाही बरतने पर प्रभारी अधीक्षक निलंबित

कांकेर (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने प्री-मैट्रिक विशिष्ट बालक छात्रावास गोविन्दपुर के प्रभारी अधीक्षक एवं सहायक अधीक्षक (एल.बी.) लुकेश्वर राम साहू को कार्य में लापरवाही बरतने पर तत्काल निलंबित किया है। उल्लेखनीय है कि लुकेश्वर राम साहू को विभागीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कांकेर नियत किया गया है तथा निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

कॉलोनाइजर एक्ट में छत्तीसगढ़ सरकार ने किया बड़ा बदलाव

बीपीएल व ईडब्ल्यूएस के लिए भूमि-भवन आरक्षण में संशोधन

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने कॉलोनाइजर एक्ट में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत सरकार ने आर्थिक रुप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवनयापन करने वालों के लिए आरक्षित किए जाने वाले जमीन और मकान के मापदंड में बदलाव किया है। कॉलोनाइनजर एक्ट में किए गए इस बदलाव को लेकर सरकार ने अधिसूचना भी जारी कर दी है।

बाइक सवार को टक्कर मारकर भाग रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलटा

कोरबा (आरएनएस)। चाकाबुड़ा के ग्राम देवगांव मोड़ के पास एक ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चालन कर बाइक सवार युवक को टक्कर मार दिया। घटना के बाद भाग रहे ट्रेलर को स्थानीय लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया, तब वाहन चालक से अनियंत्रित होकर पलट गया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में ट्रेलर की गति बेलगाम हो गई है। इससे लोगों को जान का खतरा बना रहता है। बुधवार को ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएच 6400 ने एक युवक को टक्कर मार दिया। घटना के बाद उन्होंने ट्रेलर पीछा कर पकडने की कोशिश की, तब जवाली मोड़ के पास ट्रेलर चालक से अनियंत्रित हो गया और कुछ दूर जाकर पलट गया। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम स्थल पर पहुंची और वैधानिक कार्रवाई के बाद घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर आगे कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ को मिला एक और राष्ट्रीय पुरस्कार

- जलजीवन सर्वेक्षण 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर नारायणपुर जिले को केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की ओर से मिला प्रशस्ति पत्र
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नारायणपुर जिलावासियों तथा जलजीवन मिशन के अधिकारी-कर्मचारियों को दी बधाई
- आंकाक्षी जिलों में पेयजल के लिए उत्कृष्ट काम करने पर मिला सम्मान
- नारायणपुर जिले के 18 हजार 72 घरों में अभी तक दिया जा चुका नल कनेक्शन, 14 गाँव ऐसे जहाँ शतप्रतिशत परिवारों को दिया गया कनेक्शन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सराहा जा रहा है। इसी कड़ी में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। नारायणपुर जिले को आकांक्षी जिले के अंतर्गत जलजीवन सर्वेक्षण 2023 में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से केंद्रीय जलशक्ति, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस सम्मान के लिए नारायणपुर जिलावासियों को तथा इस कार्य में लगे जलजीवन मिशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है।

गौरतलब है कि बेहद कठिन बसाहटों वाले नारायणपुर जिले के गाँव-गाँव में हर ग्रामीण को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य था। इसे सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने आंकाक्षी जिले के अंतर्गत नारायणपुर जिले को सम्मानित किया। केंद्र सरकार द्वारा जलजीवन सर्वेक्षण 1 अक्टूबर 2022 से 30 जून 2023 तक कराया गया। इसमें आकांक्षी जिलों अंतर्गत नारायणपुर जिले का कार्य उत्कृष्ट पाया गया। इस जिले के लिए जलजीवन मिशन ने 30 हजार 322 परिवारों तक शुद्ध पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य रखा था इसमें 18 हजार 72 घरों तक नल कनेक्शन पहुँचाया जा चुका है। 14 गाँव ऐसे हैं जहां शतप्रतिशत परिवारों को कनेक्शन दिया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर पूरे प्रदेश में जलजीवन मिशन के अंतर्गत शुद्ध पेयजल पहुँचाने का काम मिशन मोड पर किया जा रहा है। मिशन संचालक जलजीवन मिशन आलोक कटियार ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सतत् मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के कार्यों में मानक गुणवत्ता के साथ वांछित प्रगति प्राप्त हुई है, वर्तमान स्थिति में राज्य द्वारा औसतन प्रतिदिन 7000 घरेलू कनेक्शन की उपलब्धि अर्जित की जा रही है तथा 60 प्रतिशत परिवारों को घरेलू कनेक्शन दिया जा चुका है। अब तक राज्य के कुल 422 ग्रामों को हर घर जल प्रमाणीकरण किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि नारायणपुर जिले में दो विकासखंड ओरछा और नारायणपुर है।

विकासखंड ओरछा का अधिकांश क्षेत्र अबूझमाड़ के अन्तर्गत आता है जो लगभग 4 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ पहाड़ एवं घने जंगलों से घिरा हुआ है। अभी तक इन क्षेत्रों का सर्वे भी नहीं हो पाया है। इस असर्वेक्षित क्षेत्र में 275 से अधिक ग्राम है, जिसके किसानों के हितों को देखते हुये मसाहती सर्वे के कार्य हेतु मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया था। मसाहती ग्रामों में सर्वे कार्य चल रहा है। जल जीवन मिशन अन्तर्गत सोलर पम्प आधारित पेयजल योजनाये इस जिले के दूर-दूर में फैले बसाहटों में निवासरत ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य में जलजीवन मिशन अंतर्गत राज्य के कुल 43 हजार 974 शाला (86.78 प्रतिशत), 41 हजार 719 आंगनबाड़ी केंद्र (83.39 प्रतिशत) एवं 5246 स्वास्थ्य केंद्र (97.86 प्रतिशत) में रनिंग वाटर उपलब्ध कराया जा चुका है। राज्य के शतप्रतिशत अर्थात 2470 आश्रम शालाओं में रनिंग वाटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। राज्य के 7 जिलों धमतरी, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, मुंगेली, जांजगीर चांपा एवं सक्ती जिले में 70 प्रतिशत से अधिक घरेलू कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। दंतेवाड़ा जिले में 26 हजार 891 अर्थात 53.01 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय किया गया है। दंतेवाड़ा जिले के 19 ग्रामों में शतप्रतिशत परिवारों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है तथा 5 गांव में हर-घर जल प्रमाणीकरण कराया जा चुका है।

नारायणपुर जिले में 6 ग्रामों में हर घर जल उत्सव मनाकर प्रमाणीकरण कराया गया है। नारायणपुर जिले में हर घर जल पूर्ण करने के प्रयासों के अंतर्गत विकासखण्ड ओरछा के अंदरूनी ग्राम उदिदगांव, गुलुमकोड़ो, कोकोड़ी, कुंडला, खडकागांव, गुरिया एवं पल्ली आदि गांवों में कार्य पूर्णता पर है। जिले में सोलर आधारित 338 योजनायें पूर्ण की जा चुकी है, सुदूर वनांचल क्षेत्रों में सोलर आधारित पेयजल योजनाओं से निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित किया जा रहा है इस प्रकार नारायणपुर जिले के अंदरूनी एवं विद्युत विहीन ग्रामों में भी पेयजल सुविधा का लाभ मिल रहा है।

श्री कटियार ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत नारायणपुर जिले के शत प्रतिशत परिवारों को अतिशीघ्र घरेलू नल कनेक्शन प्रदान कर प्रदेश के प्रथम हर घर जल जिला बनाये जाने हेतु हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

आपसी विवाद में पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

खैरागढ़ (आरएनएस)। जिले के साल्हेवारा थाना क्षेत्र के गोलरडीह गांव में बुधवार मिली महिला की लाश के मामले में पुलिस ने मृतक को पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी पत्नी से हुए विवाद के बाद अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

मिली जानकारी के अनुसार साल्हेवारा थाना क्षेत्र के गोलरडीह गांव में बुधवार को गौतरहीन बाई नामक महिला की खून से सनी लाश मिली थी। महिला की लाश मिलने की सूचना ग्रामीणों ने सालहेवारा थाने में दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर हत्यारे की जांच प्रारंभ की। साथ ही हत्यारे का पता लगााने में जुट गई। पुलिस को अपनी जांच के दौरान पता चला कि मृतका का अपने पति जानलाल बैगा से अक्सर विवाद होता रहता था और इस सघना के बाद से ही फरार था। पुलिस ने आरोपी पति की खोजबीन शुरू की तो पता चला कि वह अमरपुर जंगल में छूपा हुआ है। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर अमरपुर जंगल से जानलाल बैगा को गिरफ्तार कर लिया। पुछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि मृतका गौतरहीन बाई उससे अक्सर विवाद करती रहती थी और घटना के दिन भी दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ जिसपर गुस्से में आकर उसने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस आरोपी पति को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है।

नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाई : तीन आरोपियों से 1600 शीशी प्रतिबंधित सिरप जब्त व ड्रग्स के साथ एक युवक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. नशे के 3 सौदागरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली कफ सीरप जब्त किया है. वहीं एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि ईरफान खान उर्फ बब्लू, अब्दुल फहीम और मोहम्मद रिजवान को रंगे हाथ गिरफ्तार कर उनके पास से नशीला प्रतिबंधित सीरप कोडिन की करीब 1600 शीशी जब्त की गई है. सायबर सेल की नारकोटिक्स विंग को लगातार इस बात की सूचना मिल रही थी कि टिकरापारा समेत शहर के कई इलाकों में नशीली कफ सीरप चोरी छिपे सप्लाई की जा रही है. खबर पुख्ता करने के बाद पुलिस की टीम ने चौरसिया कालोनी रिज मेडिकल गली पास स्थित एक मकान पर छापा मारा तो वहां बड़ी संख्या में नशीली सीरप की एक खेप के साथ तीनों तस्कर भी मिले.

तीनों आरोपियो को थाने लाकर पूछताछ की गई तो बताया कि ये प्रतिबंधित नशीला सीरप बिहार से लाते थे और रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलो में चोरी छिपे सप्लाई कर रहे थे. पुलिस तीनों नशे के सौदागरों से पूछताछ में जुटी है और जब्त नशीली सीरप की कीमत करीब 3 लाख रुपए बताया जा रहा है. फिलहाल टिकरापारा पुलिस ने तीनों नशे के सौदागरों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट की धाराओ में मामला दर्जकर जेल भेज दिया है.

वहीं न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र में मेडिशाइन हॉस्पिटल रोड अमलीडीह स्थित जय माता दी किराना स्टोर पास दोपहिया वाहन में आरोपी जय राजपाल को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है. यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक्स सेल एवं थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने की. आरोपी ड्रग्स को उत्तम नगर दिल्ली निवासी अपने साथी आकाश भारद्वाज से प्राप्त करना बताया. आरोपी आकाश भारद्वाज पूर्व में भी ड्रग्स के प्रकरण में थाना खम्हारडीह रायपुर एवं बिलासपुर से जेल निरूद्ध रह चुका है.

2723 शिक्षकों को बड़ी राहत : हाई कोर्ट ने शिक्षकों की पोस्टिंग बरकरार रखने का दिया आदेश, शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर हाई कोर्ट ने शिक्षकों की पोस्टिंग निरस्त मामले में बड़ी राहत देते हुए 4 सितंबर के डेट से यथास्थिति रखने का आदेश दिया है। याने सरकार ने जिन 2723 शिक्षकों की पोस्टिंग निरस्त की थी, वे सभी अब उसी स्कूल में बने रहेंगे। हालांकि, 11 सितंबर को हाई कोर्ट ने यथास्थिति रखने का आदेश दिया था। इससे भ्रम की स्थिति बन गई थी कि शिक्षक किधर ज्वाईन करेंगे। वकीलों का कहना है, आज कोर्ट ने साफ कर दिया सरकार का जवाब आते तक सभी शिक्षक उसी स्कूल में बने रहेंगे। हालांकि, अभी आर्डर अपलोड नहीं हुआ है, इसलिए कोई भी खुलकर इस पर बात नहीं कर रहा है। मगर हाई कोर्ट के गलियारों में इस पर चर्चा है। क्योंकि, लॉजिकल भी यही है। आखिर जब सरकार ने शिक्षकों को एकतरफा कार्यमुक्त कर दिया है और कोर्ट ने यथास्थिति तो शिक्षकों की स्थिति अधर में लटकने जैसी हो गई है। इसके साथ कई सारी पेचीदगिया भी आएगी। शिक्षक स्कूलों से अनुपस्थित रहेंगे तो उनकी सेलरी कैसे मिलेगी। नो वर्क, नो सेलरी के बेस पर या तो तनख्वाह कटेगी या फिर उन्हें एबसेंट करार दिया जाएगा या फिर उनकी अनुपस्थिति को छुट्टी में समंजित करनी पड़ेगी। शिक्षकों के स्कूल न जाने से पढ़ाई प्रभावित होगी सो अलग।

शिक्षकों की पोस्टिंग घोटाले में कल हाई कोर्ट में सरकार की तरफ से कहा गया कि पोस्टिंग में गड़बड़झाले की वजह से स्कूलों की व्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में स्कूल या तो शिक्षक विहीन हो गए हैं या फिर एकल शिक्षकीय हो गए हैं। यदि इन अधिकारिता विहीन एवं नियम विपरित किये गये संशोधनों को निरस्त नहीं किया गया तो शिक्षा व्यवस्था पर पड़े हुए दुष्प्रभाव से उबरना विभाग के लिये असंभव होगा साथ ही शिक्षा विभाग में अनैतिक राजनैतिक हस्तक्षेप लगातार होता रहेगा और भ्रष्टाचार की प्रवृति को भी बढ़ावा मिलेगा। फलस्वरूप दूरस्थ एवं दुर्गम स्थानों में स्थापित शालाओं में शिक्षकों का पदांकन किया जाना असंभव होगा। इससे छत्तीसगढ़ के नवनिहालों का भविष्य अंधकारमय हो जायेगा। संभागीय आयुक्त की रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ है कि संभागीय संयुक्त संचालको द्वाराजारी गये संशोधन आदेश अधिकारिता विहीन एवं गैर कानूनी है। संभाग आयुक्तों की रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट हुआ है कि इन आदेशों के गैर कानूनी होने के साथ साथ राज्य में निम्नलिखित स्थिति भी उत्पन्न हुई है। अब राज्य में 450 शालाएं शिक्षक विहीन एवं 6151 शालाएं एकल शिक्षकीय हो गई है। राज्य में यह धारणा प्रबल हुई है कि सिफारिशों एवं धन बल के बदौलत गैर कानूनी तरीके से अपनी पदस्थापना चाहे गये स्थान पर कराई जा सकती है। 13. उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा 4 संभागीय संयुक्त संचालाकों (1 के0 कुमार, रायपुर 1.2 हेमंत उपाध्याय, सरगुजा । 3 एस. के प्रसाद, बिलासपुर 4 गिरधर मरकाम, दुर्ग) एवं अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। संबंधित अधिकारियों को निलंबित किये जाने के साथ-साथ उनके द्वारा नियम विरूद्ध किये गये 2723 संशोधनों को निरस्त करते हुये संबंधित शिक्षकों को ओपन काउंसलिंग के माध्यम से किये गये पदांकन वाली संस्था में 10 दिन के भीतर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिये गये है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा केवल संशोधन पदांकन आदेशों को ही निरस्त किया गया है, शिक्षकों की पदोन्नति निरस्त नहीं की गई है और न ही किसी शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित किया गया है अपितु शिक्षक को ओपन काउंसलिंग के माध्यम से पदांकित मूल शाला में भेजकर राज्य के विभिन्न शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रयास किया गया है। उल्लेखनीय है कि संभाग आयुक्तों से कराई गई उपरोक्त जांच प्रारंभिक जांच है शासन द्वारा छ0ग0 सिविल वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत विभागीय जांच नियमानुसार संस्थित किये जाने हेतु कार्यवाही प्रचलन में है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पोला तिहार की रही धूम, पशुधन की हुई पूजा

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में भाद्रपद मास का पोला तिहार उल्लास और उमंग के साथ अमावस्या को मनाया जा रहा है। ग्रामीण परिवेश के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी इसके नजारे देखने को मिले। मूल रूप से कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में कदमताल करने वाले वर्ग ने पशुधन की पूजा की। स्थानीय बाजार में मिट्टी की बैल के अलावा संबंधित खिलौने जमकर बिके।

खरीफ सीजन की फसल से जुड़े प्राथमिक कार्यों से निवृत्त होने के साथ कृषक अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए इस प्रकार के त्योहार से सीधे जुड़ते हैं। छत्तीसगढ़ समेत आसपास के कई राज्यों में ऐसे पर्वों को मनाने की परंपरा सदियों से बनी हुई है जिसका निर्वहन अभी भी किया जा रहा है। भाद्रपद अमावस्या को छत्तीसगढ़ में पोल तिहार पर सरकार ने अवकाश घोषित किया। इसके साथ ही कई तरह की सुविधाएं भी दी गई। सुबह किसानों के द्वारा अपने पशुधन को नहलाने.धुलाने के साथ उनकी आरती उतारी गई। घरों पर बनाए गए विशेष व्यंजन उन्हें समर्पित किये गए। इसके साथ ही वर्ष भर उनकी सेवाएं लेने के लिए कृतज्ञता भी जताई गई। कोरबा जिले के पांच विकासखंड के अंतर्गत अनेक ग्रामों और शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में पोला पर कई ऐसे आयोजन किये गए जिनमें किसानों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कई पीढ़ियों से ये परंपराएं समाज का हिस्सा है और इन्हें लगातर मजबूती दी जा रही है।

खेत में काम कर रहे लोगों पर गिर बिजली, 4 की मौत

बलरामपुर (आरएनएस)। बलरामपुर जिले जले के शंकरगढ़ थाना इलाके बेलसर गांव में दो अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हो गए है। घटना बुधवार शाम की है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के शंकरगढ़ थाना इलाके बेलसर गांव बुधवार शाम करीब 5 बजे दो अलग-अलग जगहों में आकाशीय बिजली गिरी है जिसने खेत में काम कर रहे छह लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित चार ग्रामीणों की मौत हो गई। जिसमें मनशु, कुंती, प्रितम, विपिन कुजूर शामिल हैं इनमें एक ही परिवार के तीन लोग है। वहीं एक दूसरे खेत काम कर रहे हैं 5 ग्रामीणों सहित दो बच्चो पर भी गाज गिरी जिसमें मुनिया पति जामकरन निवासी बेलसर, प्रतिमा पति विपिन कुजूर निवासी बेलसर, प्रियंका पति सुखदेव नगेशिया, सम्मी पिता धनसाय, मल्ली पति रंगु नगेशिया, अंजना पिता सुखदेव, संदीप पिता सुखदेव नगेशिया, निवासी बांसडीह थाना शंकरगढ़ पर भी गाज गिरी और वे सभी गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को उपचार के लिए शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है।

नदी तट रोपण : चार सालों में 40 नदियों के तट पर लगाए गए 47 लाख पौधे

- 4 हजार से अधिक हेक्टेयर रकबा हरीतिमा से हुआ आच्छादित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में विगत 04 वर्षों के दौरान 'नदी तट वृक्षारोपण' कार्यक्रम के तहत 40 विभिन्न नदियों के तट पर 46 लाख 76 हजार 729 पौधों का रोपण किया गया है। इसके रोपण से नदी तट के 4 हजार 321 हेक्टेयर रकबा हरीतिमा से आच्छादित और फल-फूल के पौधों से सुरभित हो रहे हैं, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नदी तट रोपण का कार्य किया गया। इनका रोपण कैम्पा तथा विभागीय मद सहित नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत किया गया है। नदी तट रोपण कार्यक्रम के तहत विगत 04 वर्षों के दौरान शामिल नदियों में शिवनाथ, इन्द्रावती, फुलकदेई, केंदई, लीलागर नदी, महानदी, हसदेव, आगर, रेड नदी, मेघानाला, झींका नदी, केलो नदी, मोरन, सोंढूर, ईब नदी, पैरी नदी, तान्दुला, नारंगी, बांकी नदी, गलफुला, हसदो नदी, नेउर नदी, केवई, खटम्बर, भैसुन, चूंदी, भवई नदी, बनास नदी, रांपा नदी तथा भुलू नदी, महान नदी आदि शामिल हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि इनमें वर्ष 2019 के दौरान नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत 831 हेक्टेयर रकबा में 9 लाख 14 हजार पौधों का रोपण किया गया। इसी तरह वर्ष 2020 के दौरान 845 हेक्टेयर रकबा में 8 लाख 77 हजार पौधों, वर्ष 2021 के दौरान 01 हजार 647 हेक्टेयर रकबा में 17 लाख 87 हजार पौधों और वर्ष 2022 के दौरान 999 हेक्टेयर रकबा में 11 लाख पौधों का रोपण किया गया है।

प्रदेश में नदी तट वृक्षारोपण कार्य से 9 लाख 63 हजार मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है। साथ ही नदी तट कार्यक्रम अंतर्गत कृषि कार्य तथा सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों से निकटवर्ती 372 ग्रामों के लोग सीधे-सीधे लाभान्वित हुए हैं। नदी तट वृक्षारोपण के फलस्वरूप एक ओर जहां स्थानीय ग्रामीणों को वृक्षारोपण कार्यों से रोजगार की प्राप्ति हुई है, वहीं दूसरी ओर नदी तट के समीपस्थ किसानों को भूमि कटाव की कमी से कृषि कार्य में सुविधा तथा उत्पादन में वृद्धि का भी लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके तहत फलदार पौधों के वृक्षारोपण से ग्रामीणों की आय में बढ़ोत्तरी भी हो रही है। इसके अलावा स्थानीय ग्रामीणों अंतर्वतीय फसल तथा नदी किनारे सब्जी उत्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480